<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 908

23 जुलाई, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात का आयात/निर्यात

908. श्री आलोक संजरः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान विभिन्न इस्पात उत्पादन इकाइयों में इस्पात के उत्पादन, उपयोग और उपलब्ध भंडारण का ब्यौरा क्या है;

(ख) आयातित और निर्यातित इस्पात की अलग-अलग प्रकार की मात्रा और इन पर व्यय की गई/अर्जित विदेशी मुद्रा का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान घरेलू इस्पात उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा घरेलू इस्पात उद्योग के हितों की रक्षा के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका देश में इस्पात उद्योग के विकास के लिए एक सुविधाप्रदाता तक सीमित है। पिछले तीन वर्षों के दौरान तथा अप्रैल-मई 2018 में देश में फिनिश्ड इस्पात के कुल उत्पादन और उपयोग का विवरण नीचे दिया गया है:-

वर्ष	कुल फिनिश्ड इस्पात (एमटी)	
	उत्पादन	उपयोग
2015-16	90.98	81.52
2016-17	101.81	84.04
2017-18*	104.98	90.68
अप्रैल-मई 2018*	17.85	15.32
स्रोत: जेपीसी; *अनंतिम; एमटी= मिलियन टन		

नोट: इस मंत्रालय द्वारा डाटा भंडारण नहीं किया जाता है।

(ख): विभिन्न प्रकार के आयातित और निर्यातित इस्पात की मात्रा तथा उस पर खर्च की गई/अर्जित विदेशी मुद्रा का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

	मात्रा मिलियन टन में				मूल्य (करोड़ रुपये में)			
इस्पात की श्रेणी	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18***	**%वृद्धि**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18***	**%वृद्धि**
फिनिश्ड इस्पात का निर्यात (अलॉय/स्टेनलेस+नॉन-अलॉय)	4.08	8.24	9.62	16.7	22658	35265	46629	32.2
नॉन-अलॉय इस्पात का निर्यात	3.48	7.59	8.73	15.0	16306	28875	37258	29.0
फिनिश्ड इस्पात का आयात (अलॉय/स्टेनलेस+नॉन-अलॉय)	11.71	7.23	7.48	3.5	45044	34104	39484	15.8
नॉन-अलॉय इस्पात का आयात	8.71	5.37	5.64	5.0	31071	23449	27196	16.0
स्रोत: जेपीसी; *अनंतिम								

(ग): जी हाँ। इसका घरेलू इस्पात उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

- पिछले पाँच वर्षों में निरंतर इस क्षेत्र में लगभग 5% की चक्रवृद्धि वार्षिक विकास दर (सीएजीआर) रही है।
- कच्चे इस्पात का उत्पादन भी वित्त वर्ष 2014 के 81 एमटी से बढ़कर वित्त वर्ष 2018 में 102.19 एमटी हो गया है (26% की बढ़ोत्तरी)।
- फिनिश्ड इस्पात की खपत वित्त वर्ष 2014 के 74 एमटी से बढ़कर वित्त वर्ष 2018 में 90.6 एमटी हो गई है (22% की बढ़ोत्तरी)।

(घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता की है। सरकार द्वारा विनिर्माण तथा आधारभूत ढाँचे पर जोर देने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल की गई है, जिससे देश में इस्पात की माँग और खपत को बढ़ावा मिलता है।

सरकार द्वारा 08 मई 2017 को राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 और सरकारी खरीद में घरेलू निर्मित लोहा एवं इस्पात उत्पादों (डीएमआई एंड एसपी) को वरीयता देने की नीति अधिसूचित की गई है। ये नीतियाँ लोहा एवं इस्पात क्षेत्र के विकास को अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं।

जीवन चक्र लागत विश्लेषण को शामिल करने के लिए जीएफआर 2017 में संशोधन - इससे सरकार द्वारा वित्त-पोषित आधारभूत ढाँचा परियोजनाओं में इस्पात के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

घरेलू उद्योग को एंटी-डंपिंग ड्यूटी, सेफगार्ड ड्यूटी इत्यादि जैसे पर्याप्त व्यापारिक उपायों के जरिए अनुचित बाहरी प्रतियोगिता से बचाना तथा घरेलू बाजारों को निम्न लागत के इस्पात उत्पादों से बचाने के लिए न्यूनतम आयात मूल्य लागू करना (इन्हें अब समाप्त कर दिया गया है)।

*****